

अश्मरीरोधक वि. (तत्.) 1. 'पथरी' नामक रोग को दूर करने वाला (औषधद्रव्य) 2. 'बरना' या वरुण नामक वृक्ष।

अश्मविज्ञान पुं. (तत्.) पत्थरों और शैलों का अध्ययन करने वाला शास्त्र, आश्मिकी lithology

अश्मसार पुं. (तत्.) लोहा।

अश्मा पुं. (तत्.) 1. पहाड़ 2. पत्थर 3. नमक (पहाड़ी) 4. बादल 5. सोनामाखी 6. लोहा।

अश्मीघ्न वि. (तत्.) पथरी नाशक।

अश्मीभवन पुं. (तत्.) कालांतर में जीव-पदार्थों का पत्थर के रूप में परिवर्तित हो जाना।

अश्यान वि. (तत्.) ऐसा पदार्थ जिसमें श्यानता (चिपचिपाहट) न हो अर्थात् जिसका प्रवाह स्वतः बाधित न हो जैसे- पानी, ऐसे पदार्थ जो बर्तन की दीवारों से चिपकते नहीं हैं विलो. श्यान inviscid

अश्रु पुं. (तत्.) अश्रुग्रंथियों से निकलने वाले सलवण जलबिंदु या जलस्राव जो सुखः-दुःख की अतिशयता में आँख से बाहर निकल पड़ते हैं।

अश्रद्ध वि. (तत्.) श्रद्धा न रखने वाला, विश्वास न रखने वाला।

अश्रद्धा स्त्री. (तत्.) 1. श्रद्धा का अभाव 2. अविश्वास।

अश्रद्धेय वि. (तत्.) 1. जो श्रद्धा के योग्य न हो 2. घृणा के योग्य।

अश्रवण वि. (तत्.) 1. जो सुनता न हो, बहरा, कर्णविहीन 2. साँप।

अश्रव्य वि. (तत्.) जो श्रवण के योग्य न हो, जिसे सुना न जा सके।

अश्रान्त वि. (तत्.) श्रान्ति अथवा थकावट रहित।

अश्राव्य वि. (तत्.) 1. न सुनने योग्य 2. न सुनाने योग्य।

अश्रीक वि. (तत्.) 1. 'श्रीहीन, भाग्यहीन 2. कांति या आभा रहित।

अश्लील वि. (तत्.) दे. अश्लील।

अश्रु पुं. (तत्.) नेत्रों से प्रवाहित होने वाला जल जो खारा होता है, हर्ष, दुःख आदि के कारण या (धूल, धुआँ आदि) बाह्य पदार्थ आँख में पड़ जाने के कारण आँसू आते हैं।

अश्रुगैस स्त्री. (संकर.) एक प्रकार की गैस जिससे आँसू बहने लगते हैं इसका प्रयोग अनियंत्रित भीड़ को तितर-बितर करने में होता है।

अश्रु ग्रंथि स्त्री. (तत्.) नेत्रकक्ष के ऊपरी बाहरी कोने पर स्थित अश्रु-स्रावी ग्रंथि जिससे आँसू निकलते हैं।

अश्रुत वि. (तत्.) 1. जो सुना न गया हो 2. अज्ञात 3. अशिक्षित 4. मूर्ख।

अश्रुतपूर्व वि. (तत्.) जो पहले कभी न सुना गया हो।

अश्रुतवृत्त पुं. (तत्.) ऐसी घटना जो पहले न सुनी हो वि. ऐसा महान व्यक्तित्व जिसके बारे में कभी न सुना हो।

अश्रुतिधर वि. (तत्.) 1. वेदों का अध्ययन न करने वाला 2. ध्यानपूर्वक न सुनने वाला 3. याद न रखने वाला।

अश्रुपात पुं. (तत्.) आँसू गिरना, रोने की क्रिया।

अश्रुस्नात वि. (तत्.) आँसुओं से नहाया हुआ, बहुत अधिक रोने वाला, आँसुओं से तरबतर, अश्रुसिक्त।

अश्रेणीकृत वि. (तत्.) जिसे श्रेणीवार विभाजित न किया गया हो।

अश्रेणीबद्ध वि. (तत्.) 1. असोपानिक, जो सोपान क्रम से व्यवस्थित नहीं है 2. अश्रेणीकृत।

अश्रेण्य वि. (तत्.) जो प्राचीन गौरवपूर्ण श्रेण्य या लौकिक साहित्य से संबद्ध न हो non-classical

अश्रेय वि. (तत्.) 1. बुरा, खराब 2. अशुभ, अमंगलकारी, अकल्याणकारी 3. व्यर्थ, निकम्मा, अनुत्कृष्ट, अनुत्तम पुं. (तत्.) 1. बुराई, खराबी 2. अकल्याण 3. दुख विलो. श्रेय।